

•प्रवासी काव्यान्वयन•

पुस्तक अनुवाद करने वाली रमेश पाठक जी का धूरिया हो गया।
 पुस्तक रखा कि अक्षय दाला द्वारा लिखा गया इस बच्चाओं की बात
 हो पा रहा है तो दिया कि सम्पूर्ण अवन जैसे उत्तरोत्तर हुए आग
 को कामेनी कालेज क्लिन के लिए प्रवासी वाले भारत आये।
 उनके छठा अप्सराव जी मती शुचना पाठक ने ताप्ता, ताप्ता-
 दिया रखने वाले लोगों को लिया गया तब इन्हें बड़ी उत्तरा
 से अप्ताता कराया।

१० अप्रूपात् भवति ।
११ ज्ञाते न कु चिरमेष्टि पाठकं भी न ज्ञापाति विद्या-पूर्ण
नाम भी पुलादेवी त्रिशूल प्रतिष्ठेत् आपात्तिविद्या ।
आपु कर्मिणी देवता । और अप छलभ्रता विद्याप्रदाता ।
का द्वयालन नहीं किया जायेगा । उपराम नाम पाठ न होता ।
स्फृतनाथ का रवाना हीया लड़ा सवारा बिल्कुल नहीं होता ।
अहमती प्रदान की ।

अन्नाब न०३; जी पर्वत प्रवास यात्रा के लिए अन्नाब
चमोली कालेज की मासूती को लिए प्रदेश। अन्नाब
प्रदेश कॉलेज अन्नापाला प्रभाग पर यात्रा करेता है।
इन्हीं समाजिक समूहों का एक यात्री रुचि(उत्तर) नम्रा ३.
रमेश पाठ्यक्रम जी राधा की जाप नवा अन्नाब अन्नाब
यात्रा मासूती कालेज की एक रुचि(उत्तर) है।

ਪਾਂਚ ਸਾਲੀਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪ੍ਰਤੀ ਅਨੁਮਾਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ। ਪਾਂਚ ਸਾਲੀਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਪ੍ਰਤੀ ਅਨੁਮਾਨ ਨਹੀਂ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ।

2000 2000

५०

Specie